# Office of Shaktisinh Gohil

# National Spokesperson, AICC

http://www.shaktisinhgohil.com

**Press Note** **08th May, 2014**

नरेन्द्र मोदी पीछडी जाति में जन्मे है और OBC है यह पूरी तरह से जूठ है । कोंग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिलने गुजरात सरकार के दि. १-१-२००२ के परिपत्र क्रमांक : सशप/११९७/आई-४/अ सचिवालय, गांधीनगर की नकल प्रेस और मीडीया समक्ष प्रस्तुत कर बताया है कि, नरेन्द्र मोदी मोढ घांची जाति के है और यह जाति पीछडी जाति के OBC में शामिल नहीं है । गुजराती शब्दकोष के लिए आधारभूत पुस्तक ''भगवद्गोमंडल'' के पुरातन मूल शब्दकोष में देखे तो मोढ शब्द विशिष्ट गाँव में रहते धनवान और अग्रेसर जातिओं के लिए प्रयुक्त होता था । जैसे कि, मोढ ब्राह्मण, मोढ बनिया और तेल का बडे पैमाने पर व्यापार करनेवालों के लिए मोढ घांची नामक शब्द प्रयोग होता था । इन्हीं कारणवश आजादी के पश्चात् देश में और गुजरात में कभी भी किसी भी मोढ को पीछडी जाति के OBC में शामिल किया गया नहीं था । केन्द्र में वर्ष २००० में NDA की सरकार थी और गुजरात में BJP की सरकार थी और नरेन्द्र मोदी राजकारण में सक्रिय रूप से अग्रेसर बने तब से अपने राजकीय लाभ और अपनी जाति और परिवार के आर्थिक लाभ के लिए अपनी जाति मोढ घांची को OBC में गलत तरीके से शामिल कर दिया है । श्री गोहिलने गुजरात सरकार का दि. १-१-२००२ का परिपत्र प्रेस और मीडीया समक्ष प्रस्तुत कर यह साबित किया है कि, नरेन्द्र मोदी की जाति OBC में थी ही नहीं । जब २००१ में नरेन्द्र मोदी मुज़्यमंत्री बने उस बाद दि. १-१-२००२ के परिपत्र से OBC की यादीक्रमांक-२३ जिसमें मात्र घांची (मुस्लिम) थे, उसमें मोढ घांची का समावेश कर मोदीने अपने स्वार्थ के लिए समग्र OBC जाति के अधिकार पर वार किया है । पीछडी जातिओं में एक विकसित और श्रीमंत जाति के समावेश होने से पीछडी जातिओं को सही अर्थ में सरकारी नौकरीयाँ और अन्य योजनाओं में अन्याय हुआ है । पीछडी जातिओं के अधिकार उपर मोदी द्वारा आक्रमण हुआ है । आजादी मिली तबसे २००२ तक केन्द्र और गुजरात में कई सरकारें अलग-अलग पक्ष की आई, परन्तु इतने लंबे समय तक किसी भी सरकारने मोढ को पीछडी जाति गिनना योग्य नहीं माना । नरेन्द्र मोदी का मुज़्यमंत्री बनने के बाद अपने स्वार्थ के खातिर OBC जाति में अपनी जाति का समावेश करना, यह श्री मोदी की स्वार्थीवृत्ति की पराकाष्ठा है ।

गुजरात के एन्काउन्टर जैसे नकली है, वैसे ही गुजरात के मुज़्यमंत्री नकली OBC है । वह उच्च जाति में जन्मे है और निज़ कक्षा का राजकारण कर रहे है । मानवी की मानसिकता को मानवी की जाति

के साथे कोई लेना–देना नहीं है । डॉ. बाबासाहब आंबेडकर इस बात का सबसे बडा उदाहरण है । नरेन्द्र मोदी निज़ कक्षा का राजकारण खेल रहे है यह बात सब जानते है और जब कोई उनकी इस बात पर अंगुलिनिर्देश करता है तब समग्र जाति को अपने पाप के साथ मोदी जोडते है । यह समग्र जाति का अपमान है । खुदने की इस निज़ कक्षा की राजनीति की जिज़्मेदारी स्वीकारने के बजाये अपनी निज़ कक्षा की राजनीति के पाप के साथ पिछडी जाति को जोड के मोदीने समग्र पिछडी जाति का अपमान किया है । मोदी की मानसिकता ही गरीब, दलित, बक्षीपंच एवं लघुमति विरोधी है ।

वह खुद चायवाले थे, यह बात भी जूठी है । हकीकत यह है कि, मोदीने कभी चाय बेची नहीं है । परन्तु उन्होंने अपने एक निजी संबंधी केन्टीन कोन्ट्राक्टर का काउन्टर टाईमपास के लिए सज्हाला था । अगर सही गरीब चायवाला आदमी गुजरात का मुज़्यमंत्री बना होता तो गांधीनगर में अनगिनत चायवालों को डीमोलिशन के नाम पे बर्बाद नहीं करता ! हकीकत में, मोदीने गुजरात में चहिते उद्योगपतिओं को मुज़्त के भाव में हजारो एकड जमीन दे दी है और दूसरी ओर अनगिनत गरीब चायवालों को और छोटे–छोटे धंधेवालों को डीमोलिशन के नाम पर बेरोजगार कर चूके है । यही बताता है कि, मोदी की मानसिकता गरीब विरोधी और अपने ही स्वार्थ से भरी है ।

---

**सूचना :– इस प्रेसनोट से संबंधित परिपत्र की कॉपी पढने और पाने के लिए http://www.shaktisinhgohil.com पर क्लिक करें ।**

---

प्रति,
संपादक,

यह प्रेसनोट आपके प्रतिष्ठित अखबार में प्रदर्शित करने के लिए मान. शक्तिसिंहजी गोहिलने बिनती की है ।

**( सुनिल रामी )**
निजी सहायक